to cut the mango tree and use the area for cultivation;

(b) if so, what are the reasons and problems of Mango growers for taking such a drastic decision to change the mango belt into farming area; and

(c) what steps has been taken by Government to save the mango belts in Uttar Pradesh and other parts of the country ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARIVIND NETAM): (a) Yes, Sir.

(b) The Mango orchards in the mango belt of Kakori Malihabad comprise mostly of aged trees which have declined in their productivity. Apart from this, the orchards do not bear good crop because of heavy infestation of pests and diseases, which are not easy to control due to large sized trees, over crowding in the orchards etc. As such the orchardists are probably opting for uprooting of these trees.

(c) The Central Government have been providing funds to the State Government for rejuvenation of old orchards of different fruit crops including mango in Uttar Pradesh and other parts of the country. In the new proposal the assistance is proposed to toe the expanded to cover supply of planting material, demonstrations, training and plant protection etc.

**Agreement with Israel on Agricultural Technology**

2283. SHRI SURESH PACHOURI: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Israel has agreed to provide agricultural technology to India;

(b) if so, whether the delegation of Indian farmers visited Israel and on reciprocal basis farmers from Israel visited India;

(c) if so, whether any agreement has been reached on agricultural technology; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARIVIND NETAM): (a) to (d) A Memorandum of Understanding between Israel and India is under discussion for strengthening mutually beneficial cooperation in the field of agriculture and related technology.

An Indian delegation comprising of 16 members including farmers was sponsored by the National Horticulture Board to participate in the Agricultural Technology Exhibition (AGRITECH) held in Tel Aviv from 2nd to 6th May, 1993. In addition, several hundred Indian farmers visited the exhibition both individually and in groups. Government of India has not received any delegation of farmers from Israel.

**उर्वरकों पर राज सहायता**

2284. **डॉ० जितेन्द्र कुमार जैन :**
**श्री राम जेठमलानी :**

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार द्वारा छोटे और सीमांत किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए वित्तीय वर्ष, 1992-93 के लिए उर्वरकों इत्यादि पर राज सहायता प्रदान करने के लिए 500 करोड़ रूपये की भारी राशि आबंटित की गयी थी;

(ख) यदि हां, तो किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए 31 मार्च, 1993 तक यह समस्त धन-राशि खर्च कर दी गयी थी;

(ग) यदि नहीं, तो कुल कितनी धनराशि खर्च की गयी थी और कितनी धनराशि शेष बच गयी थी;

(घ) किसानों के लाभ के लिए उपलब्ध करायी गई समस्त धनराशि को खर्च न करने के क्या कारण थे; और

(ङ) इस प्रयोजन के लिए खर्च की गई धनराशि से राज्य-वार कितने-कितने किसान परिवारों को लाभ हुआ था ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) से (घ) अनियंत्रित उर्वरकों को रियायत पर बेचने के लिए सरकार ने 340/- करोड़ रूपए की सहायता दी । इस योजना में छोटे/सीमान्त किसानों सहित सभी किसान शामिल हैं । राज्य सरकारों को इसकी पूरी रकम निर्मुक्त की गई थी ।

छोटे/सीमान्त किसानों के लाभ से सम्बद्ध कार्यक्रमों की बुनियादी सुविधाओं के लिए 500 करोड़ रूपए की अतिरिक्त राशि की घोषणा की गई थी । इनमें से, वित्त मंत्रालय की स्वीकृति के अनुसार, 31 मार्च, 1993 तक 362.06 करोड़ रूपए की राशि राज्य सरकारों को उपलब्ध कराई गई है ।

(ङ) आधारभूत संरचना विकास की स्कीमें स्थानीय क्षेत्र की आवश्यकताओं के आधार पर आरम्भ की जाती हैं इसलिए इन निधियों का संवितरण अलग-अलग लाभानुभोगियों को नहीं किया गया था ।

**चावल और गेहूं के उत्पादन की तुलनात्मक दर**

2285. **श्री राम जेठमलानी :**
**श्रीमती सुषमा स्वराज :**

क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि देश में गत दशक में चावल के